कांग्रेस
के साथ
प्रगति

घोषणापत्र

अध्यक्ष चुनाव 2022

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

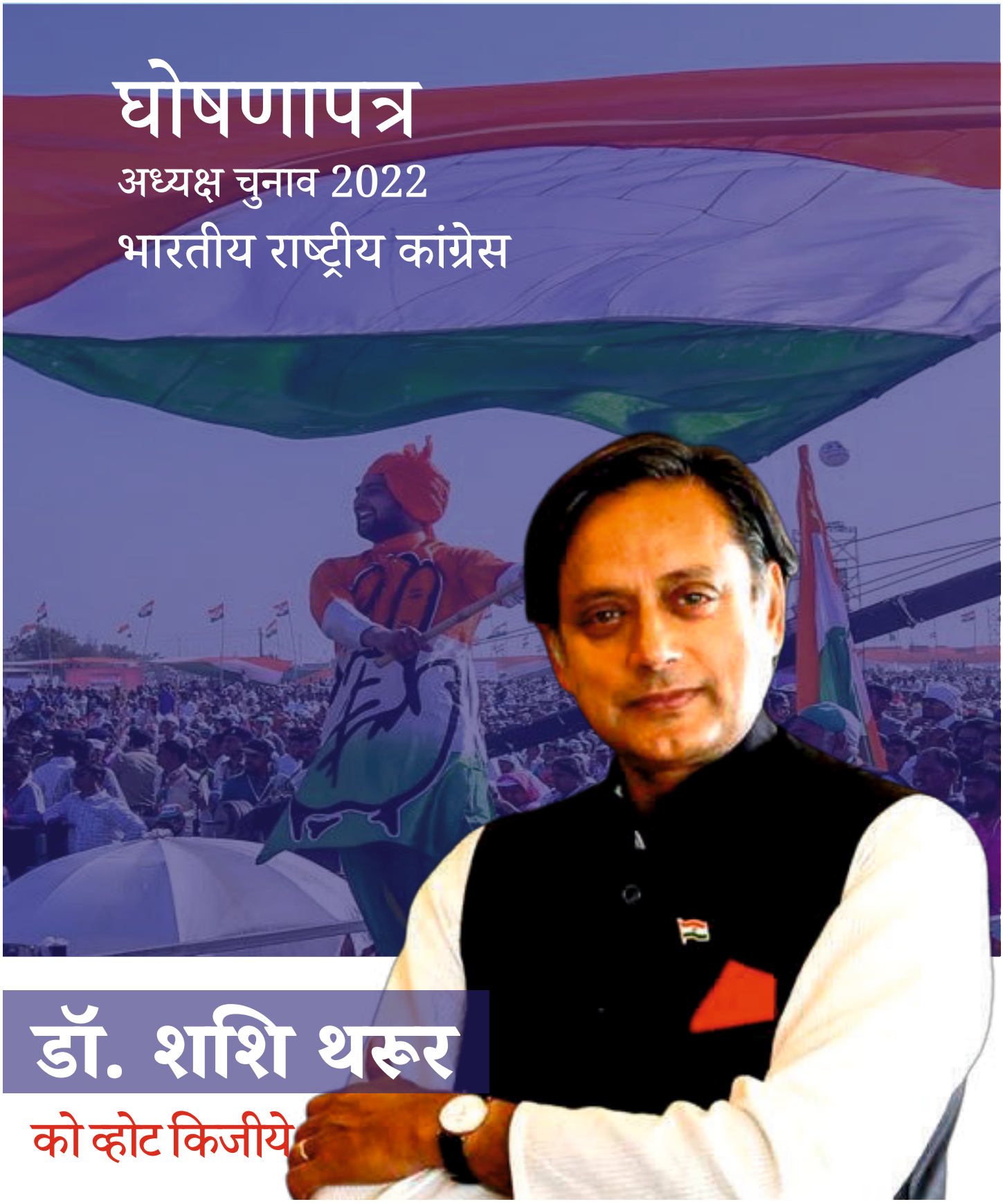

डॉ. शशि थरूर

को व्होट किजीये

शशि थरूर के दस सिद्धांत ये हैं

कांग्रेस का पुनः सशक्तिकरण

पार्टी अध्यक्ष का चुनाव एक आंतरिक प्रक्रिया है, लेकिन यह कांग्रेस में व्यापक जनहित को प्रोत्साहित करने और पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने का अवसर भी प्रदान करता है | अब जबकि कांग्रेस अध्यक्ष और कांग्रेस कार्य समिति ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है, उम्मीदवारों द्वारा पार्टी और राष्ट्र के लिए अपने दृष्टिकोण को सामने रखने और खुद को एक लोकतांत्रिक मतदान के लिए प्रस्तुत करने की संभावना उत्साहजनक है। यह इस बात की ओर इशारा करता है कि कोई ऐसी राजनीतिक पार्टी भारत में नहीं है जो ऐसी तुलनीय नेतृत्व क्षमता की पहचान कर सके और कांग्रेस अपने संविधान का पालन करते हुए भारतीयों के लिए ऐसा प्रभावशाली मानक स्थापित करेगी जो भारतीय लोकतंत्र के भविष्य लिए सबसे अच्छा प्रतिमान है |

जो भी निर्वाचित होगा उसके लिए मुख्य चुनौती होगी कि वह 2014 और 2019 में कांग्रेस के लिए मतदान करने वाले मतदाताओं के प्रतिशत में वृद्धि करे | उसे उपर्युक्त चुनाव में 19 % मतदान करने वाले मतदाताओं को सच्चा और विश्वासी मतदाता मानते हुए कांग्रेस पार्टी के मतदान प्रतिशत को इससे आगे ले जाने का तरीका खोजना होगा | पार्टी को उन मतदाताओं को अपनी तरफ आकर्षित करने का तरीका खोजना होगा जिन्होंने उपर्युक्त दोनों चुनावों में हमारे लिए मतदान न करते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान किया है | उल्लेखनीय है कि इनमें से अधिकांश ने हिंदुत्व के अलावे दूसरे कारणों से भी हमसे दूरी बनायी है | इसके लिए हमें एक ऐसे नेता कि ज़रूरत है जो इतिहास से इतर युवा भारत की आकांक्षाओं के बारे में बात करे और उनकी बाकी चिंताओं को दूर करने में पूर्णतः विश्वास करे - जो दृढ़तापूर्वक मानता हो कि कांग्रेस पार्टी 21वीं सदी की दुनिया द्वारा प्रस्तुत किये गए अवसर के माध्यम से देश को सुनहरे भविष्य के मार्ग पर ले जाने की क्षमता रखती है |

यदि नया अध्यक्ष विशुद्ध रूप से एक संगठनात्मक व्यक्ति होगा, तो वह कार्यकर्ताओं को नेतृत्व प्रदान करने और पार्टी की नींव को मजबूत करने में सक्षम तो हो सकता है, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि वह पार्टी के व्यापक हित को प्रेरित करने और पार्टी के पक्ष में अधिक मतदाताओं को लाने में असमर्थ हो | यदि

अध्यक्ष एक करिश्माई व्यक्ति है, लेकिन उसके पास खराब संगठनात्मक कौशल है, तो व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रीय मतदाताओं को आकर्षित करने की क्षमता रखते हुए भी उसे अपने करिश्मे का पार्टी के निर्वाचन के परिणाम में परिवर्तित करने में पार्टी मशीनरी की पूरी सहायता नहीं मिल पाएगी | कांग्रेस के समक्ष चुनौती राष्ट्र के लिए एक सकारात्मक और आकांक्षात्मक दृष्टि को स्पष्ट करने और संगठनात्मक और संरचनात्मक कमियों को दूर करने की है, जिसने इसके हालिया प्रयासों को बाधित किया है।

इसका उत्तर प्रभावी नेतृत्व और संगठनात्मक सुधार के संयोजन में निहित है।

इसका उत्तर प्रभावी नेतृत्व और संगठनात्मक सुधार के संयोजन में निहित है।

1

कायाकल्प की प्रक्रिया को अपनाएं

कांग्रेस को खुद को फिर से तरोताजा करना चाहिए, खासकर गांव, ब्लॉक, जिला और राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपने नेतृत्व में नए चेहरे और युवा खून लाकर। एक पुनर्जीवित कांग्रेस एकबार फिर युवा भारतीयों को यह समझाने की कुंजी हो सकती है कि हम उनकी आकांक्षाओं को समझते हैं और उन्हें सरकार में बढ़ावा देने के लिए हम पर भरोसा किया जा सकता है। साथ ही, लंबे समय से पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों और बलिदानों का सम्मान करते हुए उन्हें नियुक्तियों और अधिकार के साथ उपयुक्त रूप से पुरस्कृत करने पर जोर देना होगा।

2

संगठन का विकेंद्रीकरण

Source : Loksabha of India website.
Link : https://loksabha.nic.in/images/map_org.jpg

प्रत्येक पार्टी को नेतृत्व की आवश्यकता होती है | नेतृत्व की आवश्यकता सभी स्तरों पर होती है, न केवल शीर्ष पर। कांग्रेस के पीसीसी अध्यक्षों को वास्तविक अधिकार देकर, कांग्रेस को सत्ता का विकेंद्रीकरण करते हुए पार्टी के जमीनी पदाधिकारियों को सही मायने में सशक्त बनाकर राज्यों में पार्टी को मज़बूत बनाना चाहिए। हमें भाजपा के पार्टी और शासन के मामलों में सत्ता के केंद्रीकरण बरक्स एक विश्वसनीय विकल्प प्रदान करना चाहिए। संगठन के पुनर्गठन की संकल्पना ; राज्य, जिला और ब्लॉक नेताओं को शक्तियां सौंपना, जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना आदि न केवल नए नेता को अति-प्रशासनिक दायित्वों के बोझ से मुक्त करेगा, बल्कि मजबूत राज्य नेतृत्व बनाने में हमारी मदद करेगा जिसने पिछले युगों में कांग्रेस को मजबूती प्रदान की थी|

3

एआईसीसी मुख्यालय की भूमिका की फिर से कल्पना

कांग्रेस के पास एक पूर्णकालिक अध्यक्ष होना चाहिए जो सभी के लिए सुलभ हो और सप्ताह में दो बार कार्यकर्ताओं के लिए नियमित रूप से बातचीत करता हो | वह एक ऐसा अध्यक्ष हो जो नियमित रूप से पार्टी मुख्यालय में बैठकर पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुनता हो और बिना किसी भय या संकोच के पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता अपनी बात उसके समक्ष रख सकता हो | पार्टी अध्यक्ष को एआईसीसी विभागों और फ्रंटल के साथ त्रैमासिक बैठकें भी करनी चाहिए: देश के पाँच क्षेत्रों के पाँच उपाध्यक्षों को अध्यक्ष के प्रति मोटे तौर पर जिम्मेदार होते हुए समर्थन करना चाहिए | वह विषयगत जिम्मेदारियों के साथ महासचिवों की नियुक्ति करे जो भारत और दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों के लिए पार्टी के दृष्टिकोण और नीतियों को तैयार और विकसित करेंगे। वह उन राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की संख्या कम करे जिनकी मुख्यालय में आवश्यकता नहीं है। कार्यसमिति की मासिक बैठक होनी चाहिए और एआईसीसी का पूर्ण सत्र प्रत्येक पाँच वर्ष के बाद आयोजित किए जाने चाहिए। पार्टी अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों को पाँच साल के दो कार्यकाल तक सीमित किया जाना चाहिए।

#ThinkTomorrowThinkTharoor

4

पार्टी के मूल विश्वासों को दोहराएं

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'समावेशी भारत' के लिए खड़ा है, एक ऐसी भूमि जो संविधान के धर्म, क्षेत्र, भाषा या लिंग के बावजूद सभी के लिए स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय के वादे पर खरी उतरती है। सहस्राब्दियों से चली आ रही भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं का सम्मान करते हुए हम लगातार धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों और भारत की विविधता और बहुलतावाद के सम्मान की पुष्टि करेंगे। हम अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता सहित नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन करेंगे और सरकार को रसोई एवं शयनकक्ष से बाहर रखते हुए नागरिकों के निजता के अधिकार का समर्थन करेंगे। जैसा कि महात्मा गाँधी ने हमें सिखाया है, हम महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों और अल्पसंख्यकों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देते हुए गरीबों और वंचितों के लिए एक आश्रय स्थल की पेशकश करेंगे, सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करेंगे। हम जवाहरलाल नेहरू की समृद्ध विरासत को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास, मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्रा और एक ऊर्जावान एवं आत्मविश्वास से भरी विदेश नीति का समर्थन करेंगे।

5

पार्टी में व्यापक भागीदारी

हमें राष्ट्रीय स्तर पर एक लोकतांत्रिक और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया के माध्यम से कांग्रेस के भीतर परामर्श तंत्र को पुनर्जीवित और मजबूत करना चाहिए (जिसमें पार्टी संविधान में प्रदान किए गए संसदीय बोर्ड को पुनर्जीवित करना और साथ ही 23 सदस्यी कांग्रेस कार्य समिति में 12 सदस्यों का चुनाव शामिल होगा |)। इस धारणा को समाप्त करन होगा कि निर्णय लेने का अधिकार कुछ चुनिंदा लोगों के हाथों तक ही केंद्रित है, जिसने शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने और संवाद करने के लिए काबिल नेताओं की क्षमता को सीमित कर दिया है। सरकार को प्रतिदिन चुनौती देने के लिए एक 'छाया कैबिनेट' स्थापित करना चाहिए। पार्टी की स्थिति को लगातार अपडेट करने और जरूरी मुद्दों पर खड़े होने के लिए नियमित नीतिगत चर्चा होनी चाहिए | सभी स्तरों पर लोकतांत्रिक निर्णय लेने को प्रोत्साहित करना चाहिए । उदयपुर घोषणा, 2022 को लागू करने की प्रतिज्ञा, जिसमें 'एक व्यक्ति एक पद' नियम, पार्टी पदों के लिए कार्यकाल की सीमा (आमतौर पर किसी भी पार्टी पद में दो पद) ऊर्जा के नवीनीकरण की अनुमति, 50 से कम उम्र वालों के लिए 50% टिकट और पार्टी के पदों पर महिलाओं, युवाओं, एससी/एसटी/ओबीसी और अल्पसंख्यकों के पदों में वृद्धि शामिल है ।

6

चुनाव प्रबंधन को मजबूत करना

चुनाव प्रबंधन को मजबूत करना: उम्मीदवार चयन से संबंधित बैठकों में पेशेवर तकनीक को शामिल किया जाना चाहिए, उम्मीदवारों को चुनाव से कम से कम तीन महीने पहले नामांकित क्या जाना चाहिए ताकि उन्हें मतदाताओं से अच्छे ढ़ंग से परिचित होना का समय मिल सके | लगातार दो चुनाव हारने वाले उम्मीदवारों को एक ही सीट के लिए दोहराया नहीं जाना चाहिए । लगातार सफल निर्वाचित पदाधिकारियों पर कार्यकाल सीमा लागू नहीं होगी। हमारे चुनाव प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी और डेटा प्रबंधन तकनीकों का हमें उपयोग करना चाहिए ।

7

युवाओं पर अधिक ध्यान

कांग्रेस को फिर से जीतना शुरू करने के लिए, बेरोजगार युवाओं, भारी कार्यस्थलों के युवाओं (विशेषकर आईटी क्षेत्र) और प्रवासी युवाओं कीअप्रयुक्त राजनीतिक क्षमता से कांग्रेस को जोड़ना चाहिए | राष्ट्र के तकनीकी नेतृत्व को वापस लेने के लिए, कांग्रेस को जॉब फेयर, स्किलिंग एक्सपोज और विकासशील उद्योग सहयोग के माध्यम से बड़ी भूमिका निभानी है। बड़े राष्ट्रव्यापी आंदोलनों और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के आयोजन में इन मोर्चों द्वारा किए जा रहे अच्छे काम से परे एनएसयूआई और आईवाईसी की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए | उनकी क्षमता को मजबूत करने के लिए, हमें इन संगठनों को युवा मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए एक सार्थक सुधार शुरू करने की आवश्यकता है। युवा भारतीयों को विश्वास करना चाहिए कि हम उनकी आकांक्षाओं को समझते हैं और सरकार में उन्हें बढ़ावा देने के लिए उन पर भरोसा किया जा सकता है।

8

महिलाओं के लिए बड़ी भूमिका

कांग्रेस "लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ" सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए महिलाओं के लिए महिलाओं के नेतृत्व का समर्थन करेगी। महिलाओं को उन मुद्दों को उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जो वास्तव में हमारे समाज में महिलाओं के लिए मायने रखते हैं। पीसीसी और चुनावी मैदान में महिलाओं के लिए अधिक पद आरक्षित किए जाने चाहिए। महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने के लिए पार्टी काम करेगी। इन प्रयासों से अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की भूमिका और क्षमता को बल मिलेगा।

9

उद्योग और पेशेवरों के लिए आउटरीच

उदारीकरण के एजेंडे पर कांग्रेस पार्टी का स्वामित्व और व्यापार एवं उद्योग के लिए हमारे समर्थन में स्पष्टता लाने की ज़रूरत है । समाज के गरीब और सीमांत वर्गों को इस प्रकार बनाए गए राजस्व को वितरित करने पर जोर देते हुए निजी क्षेत्र में धन सृजन और रोजगार सृजन को गले लगाना चाहिए पेशेवर निकायों तक पहुंच को मजबूत करके ,घोषणापत्र तैयार करने सहित पार्टी की सभी गतिविधियों में पेशेवरों को व्यवस्थित रूप से शामिल करके पेशेवरों की पार्टी के रूप में कांग्रेस के इतिहास को पुष्ट किया जाना चाहिए | एमएसएमई क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए | इसे घरेलू और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पादक और एकीकृत बनने के लिए निरंतर सहायता प्रदान करना चाहिए क्योंकि एक मजबूत एमएसएमई क्षेत्र के बिना भारत की नौकरियों की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता है।

10

सामाजिक कार्य के रूप में राजनीति के लोकाचार पर लौटें

कांग्रेस पार्टी को केवल कुछ वर्षों में चुनाव लड़ने के लिए एक उपकरण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। चुनावों के बीच यह बहुत कुछ कर सकता है और करना चाहिए, जिससे नागरिकों को सरकार, पुलिस, और असंवेदनशील क्षुद्र नौकरशाही के साथ बातचीत में मदद मिलती है, जिसका उन्हें रोजाना सामना करना पड़ता है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मिशन उन लोगों के लिए सामाजिक कार्य के रूप में राजनीति के लोकाचार की ओर लौटना है जो खुद की मदद नहीं कर सकते।

#ThinkTomorrorThinkTharoor

@ShashiTharoor

कांग्रेस
के साथ
प्रगति